Year-2015 | Issue 3

CRWC Logistics समाचार

NEWSLETTER

CENTRAL RAILSIDE WARESHOUSE COMPANY LIMITED
(A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE-MINI RATNA)
An ISO 9001:2008 Certified Company

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड का संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रथम निरीक्षण

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड पूरे देश में अपने रेलसाइड वेअरहाउसों के नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न ग्राहकों के लिए जहां एक ओर लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करने में संलग्न है वही दूसरी ओर अपनी समस्त गतिविधियों में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। राजभाषा हिंदी की प्रगति देखने के लिए माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा 12 जनवरी, 2015 को नई दिल्ली में कंपनी का राजभाषा निरीक्षण किया गया।

डॉ. सत्यनारायण जटिया, माननीय उपाध्यक्ष ने निरीक्षण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उप समिति के माननीय संयोजक एवं संसद सदस्य (लोक सभा) डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसानी, श्री लक्ष्मी नारायण यादव, संसद सदस्य (लोक सभा), डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, संसद सदस्य (लोक सभा), श्री तरूण विजय, संसद सदस्य (राज्य सभा), तथा समिति के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से बैठक की शोभा बढ़ाई।

माननीय संसद सदस्यों ने सीआरडब्लूसी में राजभाषा हिंदी की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान समिति द्वारा कतिपय महत्वपूर्ण सुझाव देने सहित ध्यान देने योग्य बातों पर कार्रवाई करने के निदेश दिए गए। सीआरडब्लूसी लि. के प्रबंध निदेशक श्री के.यू. थंकाचन ने माननीय संसद सदस्यों को आश्वासन दिया कि बैठक में दिए गए सभी निदेशों तथा आश्वासनों पर कंपनी द्वारा समुचित कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

स्ट्रेटजी सत्र

सीआरडब्लूसी ने दिनांक 18.3.2015 को एक दिवसीय स्ट्रेटजी सत्र का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता सी.आर.डब्लू.सी. के अध्यक्ष डॉ. सी.वी. आनंदा बोस ने की। स्ट्रेटजी सत्र में श्री हरप्रीत सिंह, प्रबंध निदेशक सी. डब्लू. सी., श्री के. यू. थंकाचन, प्रबंध निदेशक, सीआरडब्लूसी, श्री जे. एलेक्जेंडर, आईएएस, (सेवानिवृत) एवं पूर्व अध्यक्ष–केएसडब्लूसी, श्री ए. गोपालकृष्णन, सदस्य सीआरडब्लूसी निदेशक मंडल, श्री एम.पी. सुकुमारन नायर, सदस्य सीआरडब्लूसी निदेशक मंडल, श्री कमलेश गुप्ता, आईआरटीएस सेवानिवृत, श्री ए. के. वोहरा, पूर्व निदेशक (वित्त) एनएचपीसी, श्री केशवन (सीईओ–टीएएफई) श्री पी. एन. शुक्ला, पूर्व निदेशक (प्रचालन एवं बिजनेस डवलेपमेंट) डीएफसीसीआईएल ने भाग लिया।

श्री सुदीप्त पाल, महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री सलीम अहमद, अधीक्षण अभियंता, श्री राजेश झा, प्रबंधक (एमएंडओ) भी स्ट्रेटजी सत्र में उपस्थित थे।

श्री सी.वी. आन्नदा बोस, अध्यक्ष के सम्बोधन के साथ स्ट्रेटजी सत्र शुरू हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए श्री आन्नद बोस ने कहा कि सीआरडब्लूसी को अपनी गतिविधियों में विविधता लाने की आवश्यकता है जिसके लिए इस प्रकार के सत्रों की प्रमुख भूमिका है।

इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों जैसे शीत श्रंखला, पार्सल बिजनेस, ई–कॉमर्स, ऑटो लॉजिस्टिक, बल्क स्टोरेज तथा कॉर्गो संचलन पर विशेषज्ञों ने अपनी – अपनी प्रेजेनटेशन दी तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

सी. आर. डब्लू. सी. में लोक उद्यम दिवस समारोह

सी. आर. डब्लू. सी. के निगमित कार्यालय में 10 से 16 अप्रैल, 2015 तक लोक उद्यम दिवस समारोहों का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान कार्मिकों के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे भारत में लोक उद्यमों के महत्त्व एवं कार्यनिष्पादन पर क्विज एवं वादविवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

15 अप्रैल, 2015 को विजिन 360 से पधारे श्री रंजन मिश्रा द्वारा स्किल डेवलेपमेंट पर एक रोचक प्रेजेनटेशन दी गई।

सीआरडब्लूसी द्वारा अंतरिम लाभांश का भुगतान

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत मिनी रत्न श्रेणी का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड पूरे देश में रेलसाइड वेअरहाउसिंग परिसरों का विकास एवं परिचालन करती है। कंपनी के रेलसाइड वेअरहाउसों की कुल क्षमता 3.25 मी.टन से भी अधिक है।

सीआरडब्लूसी ने अपने मूल उद्यम अर्थात् केन्द्रीय भंडारण निगम को वर्ष 2014–15 के लिए लाभांश का भुगतान किया।

प्रबंध निदेशक/सी. आर. डब्लू. सी. श्री के. यू. थंकाचन, सी. डब्लू. सी. के प्रबंध निदेशक श्री हरप्रीत सिंह को लाभांश चेक भेंट करते हुए। इस अवसर पर दोनों संगठनों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे

Terminal Manager's Conference on 17.04.2015 at Corporate Office, New Delhi

Subsequent to the start of new financial year, 2015-16, a business meet was held at Corporate Office CRWC, chaired by Managing Director.

Pan India Terminal Managers of CRWC were invited to attend this meet held on 17.04.2015 to discuss the achievements of FY 2014-15, target fixation for FY 2015-16, shortfalls with reasons, if any and workout a plan for current fiscal.

The meeting was also attended by Sh. Manoj Akhouri (ED - TT Railways Board and Director CRWC), who shared his views towards the current operations of CRWC and talked about the avenues of growth for the organization.

After a fruitful discussion, the meeting was concluded with HOD's of Marketing, Finance, Engineering and MD, CRWC bestowing their best wishes for achieving the new assigned targets for FY 2015 - 16.

सूचना का अधिकार 2005 – एक विवेचन

अमृत लाल बवेजा,
केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी

सूचना का अधिकार, 2005 भारत के नागरिकों को लोक प्राधिकारियों से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है।

सूचना का अधिकार एक ऐसी क्रान्तिकारी संकल्पना है जिसने प्रबुद्ध समाज को नई ऊर्जा प्रदान की है। सभी प्रकार के अधिकारों में जानने का अधिकार सर्वोपरि है, जिसमें सूचना का अधिकार भी समाहित है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सूचना के अधिकार को मानव अधिकारों की सूची में रखा गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005, 12 अक्तूबर, 2005 को लागू हुआ था। इस अधिनियम की प्रस्तावना में कहा गया है कि:–

1. लोक प्राधिकारियों के पास उपलब्ध सूचनाओं तक सभी नागरिकों की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

2. लोक प्राधिकारियों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाई जाएगी।

3. केन्द्रीय सूचना आयोग एवं राज्य सूचना आयोगों का गठन किया जाएगा।

जहां तक इस अधिनियम की विशिष्टताओं का संबंध है, अधिनियम की धारा 2 (एफ) में सूचना को परिभाषित किया गया है। यह एक समावेशी परिभाषा है। कोई भी सामग्री जैसे रिकॉर्ड, दस्तावेज, ज्ञापन, ई–मेल, मत, परामर्श, समाचार पत्रों में जारी विज्ञप्तियाँ, परिपत्र, आदेश, लॉगबुक, ठेके, रिपोर्ट, कागजात, नमूने, मॉडल, डाटा सामग्री तथा ऐसी कोई भी सूचना जिस तक किसी कानून के अंतर्गत लोक प्राधिकारी की पहुंच है सूचना में शामिल है।

धारा 7 (1) के अनुसार सूचना 30 दिन के अंदर उपलब्ध कराना आवश्यक है। यदि नागरिक के जीवन एवं स्वतत्रता का प्रश्न है तो 48 घंटे के अंदर सूचना देनी होती है। यदि केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी 30 दिन के अंदर अथवा 48 घंटे के अंदर सूचना नहीं देता है तो, इसे 'सूचना देना मना करना' माना जाएगा। धारा 20 (1) में यह प्रावधान है कि सूचना न देना या सूचना देर से देने पर संबंधित जन सूचना अधिकारी पर 250 रू. प्रतिदिन के हिसाब से 25000/– रू. तक जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा (24) के अनुसार केन्द्र सरकार दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट कुछ संगठनों में अधिनियम न लागू करने की छूट दे सकती है । तथापि यह छूट भष्टाचार होने अथवा मानव अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में लागू नहीं होगी।

लोक सूचना अधिकारी कुछ मामलों में सूचना देने से मना कर सकता है। जिन मामलों से सम्बंधित सूचना नहीं दी जा सकती उनका विवरण सूचना के अधिकार कानून की धारा 8 में दिया गया है। लेकिन यदि मांगी गई सूचना जनहित में है तो, धारा 8 में मना की गई सूचना भी दी जा सकती है।

जो सूचना संसद या विधानसभा को देने से मना नहीं किया जा सकता उसे किसी आम आदमी को भी देने से भी मना नहीं किया जा सकता।

यदि लोक सूचना अधिकारी निर्धारित समय–सीमा के भीतर सूचना नहीं देते है या धारा 8 का गलत इस्तेमाल करते हुए सूचना देने से मना करता है या दी गई सूचना से सन्तुष्ट नहीं होने की स्थिति में 30 दिनों के भीतर संबंधित लोक सूचना अधिकारी के वरिष्ठ अधिकारी यानि प्रथम अपील अधिकारी के समक्ष प्रथम अपील की जा सकती है।

यदि आप प्रथम अपील से भी सन्तुष्ट नहीं हैं तो दूसरी अपील 60 दिनों के भीतर केन्द्रीय या राज्य सूचना आयोग (जिससे सम्बंधित हो) के पास करनी होती है।

सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी कियान्वयन के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है :–

1. सरकारी संस्थानों में रिकॉड का सही रख–रखाव

2. तीसरी पार्टी द्वारा आडिट की व्यवस्था

3. सूचना के अधिकार के मामले में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बीच भेदभाव समाप्त करना।

सरकारी क्षेत्र में पारदर्शिता एवं जवाबदेही के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 नागरिकों के पास एक कारगर कानूनी अधिकार है। इसके सफल कियान्वयन से जहां एक ओर देश में लोकतंत्र सशक्त होगा एवं नागरिकों के मानवधिकारों की संरक्षा सुनिश्चित होगी वहीं दूसरी ओर देश में समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा विश्व में भारत की छवि सुधरेगी। अतः समय–समय पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के कियान्वयन की समीक्षा की जानी चाहिए तथा सभी बाधाओं को दूर करने के उपाय किए जाने चाहिए।

Dr. C.V. Ananda Bose, Chairman CRWC addressed the NAWC Conference

Annual General Body Meeting of the NAWC was held in hotel HYATT in Amritsar, under the chairmanship of Dr. J. Alexander IAS (Retd. Chief Secretary - Karnataka) who invited all the members for bringing in global best practices in Indian Warehousing Industry. The Chairman, Central Warehousing Corporation (CWC) and Central Rail side Warehousing Corporation (CRWC), Dr. C.V. Ananda Bose, IAS also addressed this meeting and advised all members to become game changer for efficient supply chain by using global best practices, reducing cost of construction for best quality warehouses and use energy efficient and eco-friendly technology. Mr. K.U. Thankachen, MD CRWC, Mr. Rajesh Gowda, Managing Director of Karnataka State Warehousing Corporation and Secretary of NAWC, Karnataka State Warehousing Corporation, Mr. Anil Tuteja, IAS, MD Chhattisgarh SWC, Mr. Dilip Kumar, MD of Bihar SWC, Kripa Shankar Yadav, MD of UPSWC, G.H Ramesh -GM of Karnataka SWC, Jitendra Dubey Chief Engineer - MPWLC, K. Vijay Bhaskar Executive Engineer, L.K Mallick, Secretary of Orissa SWC, J.K Sharma Secretary of CWC, , Miheer Lal GM UPSWC, E.S Pankaj AGM (D) of Tamilnadu SWC, D.N Andre, GM of Maharashtra SWC, M.M Nagar, CGM of Origo and Amarjeet Singh participated in the proceedings.

Employee's Corner

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ

–दीप्ति सिंह

आज आपको एक सच्चाई बतलाती हूँ
बालिका की स्थिति से अवगत कराती हूँ
अधखिली कली को दुनिया में आने नहीं दिया जाता।
आ जाती है तो खिलने नहीं दिया जाता।

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ अभियान ने
एक नई दिशा दिखाई है –
नारी उत्थान बिना अधूरी है दुनिया
समाज में यह समझ बढाई है।

हमें ताकतवर बनना है, औरो को पढ़ाना है
जुल्म न सहना है, न होने देना है
कहने – कहलाने से कुछ नहीं होना, हमें कुछ करके दिखाना है
माँ – बाप करें गर्व हम पर, ऐसा बन जाना है
लड़के – लड़कियों में क्यों करे फर्क कोई,
ऐसा समाज बनाना है

नालन्दा विश्वविद्यालय

आर. के. झा

यह प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात केन्द्र था, जहां देश – विदेश के छात्र शिक्षा के लिए आते थे। आजकल इसके अवशेष दिखलाई देते हैं। पटना से 90 किलोमीटर दूर और बिहार शरीफ से करीब 12 किलोमीटर दक्षिण में, विश्व प्रसिद्ध प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय, नालंदा के खण्डहर स्थित हैं। यहाँ 10,000 छात्रों को पढ़ाने के लिए 2,000 शिक्षक थे। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 7वीं शताब्दी में यहाँ जीवन का महत्त्वपूर्ण एक वर्ष एक विद्यार्थी और एक शिक्षक के रूप में व्यतीत किया था। प्रसिद्ध बौद्ध सारिपुत्र का जन्म यहीं पर हुआ था।

1. गुप्त वंशी शासक कुमारगुप्त (414–455 ई.) ने इस बौद्ध संघ को पहला दान दिया था। ह्वेनसांग के अनुसार 470 ई. में गुप्त सम्राट नरसिंह गुप्त बालादित्य ने नालन्दा में एक सुन्दर मन्दिर निर्मित करवाकर इसमें 80 फुट ऊंची तांबे की बुद्ध प्रतिमा को स्थापित करवाया।

2. गुप्तकालीन सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 415–454 ई.पू. नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

3. नालंदा संस्कृत शब्द नालम् दा से बना है। संस्कृत में नालम का अर्थ कमल होता है। कमल ज्ञान का प्रतीक है। नालम्. दा यानी कमल देने वाली, ज्ञान देने वाली। कालक्रम से यहाँ महाविहार की स्थापना के बाद इसका नाम '**नालंदा महाविहार**' रखा गया

हँसी के गुलगुले

मनोज शर्मा

मेरे दोस्त तुम भी लिखा करो शायरी,
तुम्हारा भी मेरी तरह नाम हो जाएगा।।

जब तुम पर भी पड़ेगें अण्डे और टमाटर,
तो शाम की सब्जी का इंतजाम हो जाएगा।।

ना जाने कब कोई तारा टूट जाए,
ना जाने कब कोई आँसू आँख से छूट जाए।।

कुछ पल हमारे साथ भी हँस लो,
ना जाने कब तुम्हारे दाँत टूट जाए।।

New Joining in CRWC

Nayanjyoti Patgiri	Assistant Manager (Civil)	24.05.15
Pankaj Singh	Assistant Manager (Civil)	15.05.15
Dattatrey Bedre	Assistant Manager (Civil)	19.05.15
Ajit Hari Dharmadhikari	Manager Engg. (Civil)	25.05.15

Dr. C.V. Ananda Bose, Chairman CRWC addressed the NAWC Conference

Annual General Body Meeting of the NAWC was held in hotel HYATT in Amritsar, under the chairmanship of Dr. J. Alexander IAS (Retd. Chief Secretary - Karnataka) who invited all the members for bringing in global best practices in Indian Warehousing Industry. The Chairman, Central Warehousing Corporation (CWC) and Central Rail side Warehousing Corporation (CRWC), Dr. C.V. Ananda Bose, IAS also addressed this meeting and advised all members to become game changer for efficient supply chain by using global best practices, reducing cost of construction for best quality warehouses and use energy efficient and eco-friendly technology. Mr. K.U. Thankachen, MD CRWC, Mr. Rajesh Gowda, Managing Director of Karnataka State Warehousing Corporation and Secretary of NAWC, Karnataka State Warehousing Corporation, Mr. Anil Tuteja, IAS, MD Chhattisgarh SWC, Mr. Dilip Kumar, MD of Bihar SWC, Kripa Shankar Yadav, MD of UPSWC, G.H Ramesh -GM of Karnataka SWC, Jitendra Dubey Chief Engineer - MPWLC, K. Vijay Bhaskar Executive Engineer, L.K Mallick, Secretary of Orissa SWC, J.K Sharma Secretary of CWC, , Miheer Lal GM UPSWC, E.S Pankaj AGM (D) of Tamilnadu SWC, D.N Andre, GM of Maharashtra SWC, M.M Nagar, CGM of Origo and Amarjeet Singh participated in the proceedings.

Employee's Corner

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ

–दीप्ति सिंह

आज आपको एक सच्चाई बतलाती हूँ
बालिका की स्थिति से अवगत कराती हूँ
अधखिली कली को दुनिया में आने नहीं दिया जाता।
आ जाती है तो खिलने नहीं दिया जाता।

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ अभियान ने
एक नई दिशा दिखाई है –
नारी उत्थान बिना अधूरी है दुनिया
समाज में यह समझ बढाई है।

हमें ताकतवर बनना है, औरो को पढ़ाना है
जुल्म न सहना है, न होने देना है
कहने – कहलाने से कुछ नहीं होना, हमें कुछ करके दिखाना है
माँ – बाप करें गर्व हम पर, ऐसा बन जाना है
लड़के – लड़कियों में क्यों करे फर्क कोई,
ऐसा समाज बनाना है

नालन्दा विश्वविद्यालय

आर. के. झा

यह प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात केन्द्र था, जहां देश – विदेश के छात्र शिक्षा के लिए आते थे। आजकल इसके अवशेष दिखलाई देते हैं। पटना से 90 किलोमीटर दूर और बिहार शरीफ से करीब 12 किलोमीटर दक्षिण में, विश्व प्रसिद्ध प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय, नालंदा के खण्डहर स्थित हैं। यहाँ 10,000 छात्रों को पढ़ाने के लिए 2,000 शिक्षक थे। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 7वीं शताब्दी में यहाँ जीवन का महत्त्वपूर्ण एक वर्ष एक विद्यार्थी और एक शिक्षक के रूप में व्यतीत किया था। प्रसिद्ध बौद्ध सारिपुत्र का जन्म यहीं पर हुआ था।

1. गुप्त वंशी शासक कुमारगुप्त (414–455 ई.) ने इस बौद्ध संघ को पहला दान दिया था। ह्वेनसांग के अनुसार 470 ई. में गुप्त सम्राट नरसिंह गुप्त बालादित्य ने नालन्दा में एक सुन्दर मन्दिर निर्मित करवाकर इसमें 80 फुट ऊंची तांबे की बुद्ध प्रतिमा को स्थापित करवाया।

2. गुप्तकालीन सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 415–454 ई.पू. नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।

3. नालंदा संस्कृत शब्द नालम् दा से बना है। संस्कृत में नालम का अर्थ कमल होता है। कमल ज्ञान का प्रतीक है। नालम्. दा यानी कमल देने वाली, ज्ञान देने वाली। कालक्रम से यहाँ महाविहार की स्थापना के बाद इसका नाम '**नालंदा महाविहार**' रखा गया

हँसी के गुलगुले

मनोज शर्मा

मेरे दोस्त तुम भी लिखा करो शायरी,
तुम्हारा भी मेरी तरह नाम हो जाएगा।।

जब तुम पर भी पड़ेगें अण्डे और टमाटर,
तो शाम की सब्जी का इंतजाम हो जाएगा।।

ना जाने कब कोई तारा टूट जाए,
ना जाने कब कोई आँसू आँख से छूट जाए।।

कुछ पल हमारे साथ भी हँस लो,
ना जाने कब तुम्हारे दाँत टूट जाए।।

New Joining in CRWC

Nayanjyoti Patgiri	Assistant Manager (Civil)	24.05.15
Pankaj Singh	Assistant Manager (Civil)	15.05.15
Dattatrey Bedre	Assistant Manager (Civil)	19.05.15
Ajit Hari Dharmadhikari	Manager Engg. (Civil)	25.05.15

प्रबंध निदेशक की कलम से.....

मुझे प्रसन्नता है कि 'सीआरडब्लूसी लॉजिस्टिक समाचार' के वर्तमान अंक के माध्यम से कंपनी के समस्त कार्मिकों सहित अन्य प्रबुद्ध पाठकों से सम्पर्क स्थापित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है ।

नया वित्तीय वर्ष 2015–16 प्रारंभ हो गया है । इस वर्ष में हमें जहां एक ओर अत्याधुनिक वेअरहाउसिंग सुविधाओं सहित कार्गों की हैंडलिंग तथा परिवहन के लिए प्रतिस्पर्द्धात्मक सेवाएं उपलब्ध कराने के क्षेत्र में उच्च शिखर पर पहुंचना है वहीं दूसरी ओर कंपनी की छवि के अनुरूप सरकार की अथवा सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के कियान्वयन में भी शानदार भूमिका निभानी है।

मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान कंपनी का राजस्व बढ़कर 100 करोड़ रूपए हो जाने की उम्मीद है। यह कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी इसका श्रेय सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाता है तथा यह हम सभी के संयुक्त प्रयासों से संभव हुआ है। गत वित्तीय वर्ष में कारोबार के कई नए क्षेत्रों में कदम बढ़ाते हुए कंपनी द्वारा चलकुडी से मोगा के बीच पार्सल एक्सप्रैस ट्रेन आरंभ की गई तथा भारतीय जलमार्ग प्राधिकरण से पाण्डुपोर्ट स्थित टर्मिनल को लीज पर लिया गया। यह भी प्रसन्नता का विषय है कि हमनें जोगेश्वरी (मुम्बई) में एक नए टर्मिनल पर सफलतापूर्वक परिचालन आरंभ कर दिए हैं।

पूर्व वर्षो की भांति वर्ष 2015–16 के लिए भी सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड तथा इसके मूल उद्यम अर्थात् केन्द्रीय भंडारण निगम के बीच 27 मार्च, 2015 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौता ज्ञापन में कंपनी द्वारा अपनी सेवाओं से 112 करोड़ रू. से भी अधिक आय प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त सेवाओं में गुणवत्ता, ग्रहक संतुष्टि, मानव संसाधन विकास, निगमित सामाजिक दायित्व, स्वच्छ भारत अभियान जैसे गतिशील एवं गैर वित्तीय विषयों को भी समझौता ज्ञापन में सम्मिलित किया गया है। इन विषयों के लिए अलग–अलग लक्ष्य तथा तदनुसार अलग–अलग वेटेज निर्धारित किए गए हैं। समझौता ज्ञापन के सभी लक्ष्य प्राप्त करने योग्य तथा उन्हें एक विशिष्ट कार्य बल द्वारा विस्तृत विचार–विमर्श के उपरांत अंतिम रूप दिया गया है। अतः मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि कंपनी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समझौता ज्ञापन के लक्ष्यों की संपूर्ण जानकारी रखें तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए भरपूर प्रयास करें ताकि समझौता ज्ञापन वर्ष 2015–16 के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के लिए 'उत्कृष्ट रेटिंग' प्राप्त करने में कोई संदेह न रहे।

मेरा यह विश्वास है कि किसी कंपनी की सफलता का मार्ग उसके सत्यनिष्ठ, परिश्रमी, लगनशील, सुप्रशिक्षित, कुशल तथा अपने काम के प्रति पूर्णतया प्रतिबद्ध एवं समर्पित कार्मिकों द्वारा प्रशस्त किया जा सकता है। अतः प्रगतिशील सेवा शर्तें, स्वच्छ कार्य वातावरण, प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग हमारी प्राथमिकताएँ हैं। जैसा कि आप जानते है कि अपने मूल्यवान ग्राहकों का विश्वास अर्जित करना, लॉजिस्टिक के क्षेत्र में सफलता की एकमात्र कुंजी है। मेरा आपसे यह आग्रह है कि कंपनी के विभिन्न परिचालनों के दौरान ग्राहक संतुष्टि के साथ ग्रहक प्रसन्नता भी सुनिश्चित करें।

मुझे आंशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हम सब अपने संयुक्त प्रयासों द्वारा उपरोक्त सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे एवं सभी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे।

शुभकामनाओं सहित

–के.यू. थंकाचन
प्रबंध निदेशक

नववर्ष की पावनबेला के अवसर पर सीआरडब्लूसी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नववर्ष की पावनबेला में 1 जनवरी, 2015 को सीआरडब्लूसी के निगमित कार्यालय में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रबंध निदेशक श्री के.यू. थंकाचन एवं श्रीमती जयन्ती थंकाचन, सहित निगमित कार्यालय में कार्यरत सभी कार्मिको ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक निदेशक एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वन्दना से किया गया।

तत्पश्चात् कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों ने विभिन्न प्रकार से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिसमें गानें, हास्य कविता, तथा प्रेरक प्रसंग इत्यादि शामिल थे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे कार्मिकों को श्रीमती थंकाचन द्वारा अपने कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। विजेताओं में कुमारी गरिमा सिंह, कार्यकारी (एलओएम), श्री आर्शीवाद, आशुलिपिक, श्री सिंकन्दर बख्त, कार्यकारी (आईटी), कुमारी हेमा, कार्यकारी (वित्त) तथा श्री रमाशंकर वर्मा, निजी सहायक के पुत्र विन्नी वर्मा, शामिल थे।

Central Railside Warehouse Company Limited signs MoU 2015-16

Managing Director, CRWC Sh. K.U.Thankachen & Managing Director, CWC Sh. Harpreet Singh at the occasion of signing the Memorandum of Understanding (MoU) with other senior officers of CWC & CRWC.

Sh. Harpreet Singh ,Managing Director ,CWC and Sh. K.U.Thankachen, Central Railside Warehouse Company Ltd ,signed a MoU for the year 2015-16 detailing Physical & Financial targets for CRWC Ltd, as approved by DPE & Deptt. of Food & Public Distribution ,Govt.of India .

CRWC participates in Logistics Exhibition, Feb 2015 organised by CII at Pragati Maidan, New Delhi

Chief Guest, Sh. K.U Thankachen, MD, CRWC cutting the ribbon alongwith other diginitaries at the inaugural ceremony

Sh. K.U Thankachen, MD,CRWC addressing the delegates at the CII logistics summit 2015

CRWC officers welcoming Managing Director Sh. K.U Thankachen, at its stall in CII logistic Exhibition 2015

Unveiling the report on mega trends in logistics sector for 2015-16 prepared by Frost & Sullivan

Awards

K.U Thankachen, MD, CRWC Ltd being awarded Media Ratna award by Media Press Club, New Delhi.

Sh. Rajesh Kumar Jha, Manager (Mktg.),CRWC recieving New Ink Legend PSU Shining Award 2014 on behalf of CRWC from Hon'ble Governor of Haryana Sh. Kaptan Singh Solanki

Published by :
Central Railside Warehouse Company Limited,
Please address all correspondence to
– The Editor "CRWC Logistics Samachar"
Ground Floor, Pragati Maidan Metro Station Building, New Delhi - 110001, Phone : 011-23480120, Fax : 011-23379434
E-mail : pro@crwc.in, www.crwc.in